अध्याय–VIII

सतत् समग्र मूल्यांकन
(Continuous Comprehensive Evalution)

1) सतत् समग्र मूल्यांकन
2) रचनात्मक आकलन
3) सारांशात्मक आकलन
4) प्रश्नों का भारपात
5) प्रश्नों के प्रकार
6) प्रश्नों का स्वभाव
7) नमूना प्रश्न पत्र (कक्षा - IX द्वितीय भाषा)
8) नमूना प्रश्न पत्र (कक्षा - X द्वितीय भाषा)
9) नमूना प्रश्न पत्र (कक्षा X प्रथम भाषा)
10) नमूना उत्तर पुस्तिका
11) उत्तर पुस्तकों की जाँच-सूचनाएँ व मार्गदर्शन

1) सतत् समग्र मूल्यांकन - IX और X कक्षाओं के लिए

हमारे राज्य में शिक्षा का अधिकार अधिनियम वर्ष 2010 में लागू हुआ। इस कानून के अनुसार शिक्षण में मूल्यांकन के लिए सतत् समग्र मूल्यांकन प्रविधि का प्रयोग करना अनिवार्य है। यह अधिनियम इस बात पर बल देता है कि शिक्षा प्रणाली बालक के शारीरिक और मानसिक विकास में किसी प्रकार भी बाधक न बनें। इसी पृष्ठभूमि के आधार पर पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया और उनमें सतत् समग्र मूल्यांकन के भरपूर अवसर देने के प्रयास किये गये हैं।

स्वरूप :-

- सतत् समग्र मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य मूल्यांकन को बोझरहित बनाना है। इसका मुख्य उद्देश्य मूल्यांकन को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के अंतर्गत लाना है। अर्थात् शिक्षण अधिगम क्रियाकलाप के समय ही छात्र का आकलन हो जाना चाहिए। यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।
- छात्र के आकलन के लिए किसी एक पक्ष को आधार नहीं बनाना चाहिए। अपेक्षित दक्षताओं और उनकी समग्रता के आधार पर आकलन करना चाहिए।

अपेक्षित परिणाम :-

- इससे छात्र का समग्र या व्यापक आकलन होता है।
- परंपरागत रटने की प्रवृत्ति में कमी आती है।
- अर्जित ज्ञान के उपयोग के अवसर प्राप्त होते हैं।
- छात्र ज्ञान का सोच-समझकर विविध परिस्थितियों में उपयोग करने की क्षमता का विकास करते हैं।
- इसके कारण सीखने-सिखाने के लिए अधिक समय मिलता है।

हमारे राज्य में I से लेकर VIII कक्षा तक सतत् समग्र मूल्यांकन का क्रियान्वन हो चुका है। IX और X कक्षाओं के लिए इसका प्रारुप इस प्रकार है -

जैसे कि आप जानते हैं कि यह आकलन दो प्रकार का होता है।

I रचनात्मक आकलन (Formative Assessment)

II सारांशात्मक आकलन (Summative Assessment)

2) रचनात्मक आकलन :-

IX और X कक्षाओं के लिए यह आंतरिक आकलन (Internal Assessment के रूप में होगा।)

बालक कैसे सीखते हैं? क्या सीखते हैं? कहाँ पिछड़ रहे हैं? इसके लिए शिक्षक को क्या करना चाहिए? जैसी बातों का उत्तर और समाधान आप शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान पाते हैं तो इसका अर्थ है कि आप कक्षाकक्ष गतिविधियों के दौरान रचनात्मक आकलन का निर्वहण कर रहे हैं। हमारी पाठ्यपुस्तकों में रचनात्मक आकलन के समुचित अवसर उपलब्ध हैं। पाठ्यपुस्तक में रखे गये पाठों का इकाइयों में विभाजन इसका उदाहरण है। रचनात्मक आकलन के कुछ मुख्य सूचक निम्नलिखित हैं:-

- इसका आयोजन वर्ष में चार बार (जुलाई, अगस्त, नवंबर और फरवरी) में किया जायेगा।
- यह पूरे शैक्षिक वर्ष में औपचारिक और अनौपचारिक तरीके से चलता रहेगा।

- इसका आयोजन स्वाभाविक परिस्थिति में होना चाहिए अर्थात् बच्चों को इस बात का आभास नहीं होना चाहिए कि उनका मूल्यांकन हो रहा है।
- इसका आयोजन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया (कक्षाकक्ष क्रियाकलाप) के अंतर्गत होना चाहिए।
- यह परीक्षा 20 अंकों के लिए आयोजित की जायेगी।

साधन

1. पुस्तक पठन प्रतिक्रिया (Book Reading - Reflection)
2. लिखित कार्य (Written Works)
3. परियोजना कार्य (Project Work)
4. पर्ची या लघु परीक्षा (Slip Test)

आयोजन

रचनात्मक आकलन कुल 20 अंकों के लिए आयोजित किया जायेगा। इसमें अंकों का विभाजन इस प्रकार होगा-

क्र.सं.	अंश	निर्धारित अंक	साधन
1	पुस्तक पठन-प्रतिक्रिया	05	विभिन्न कहानियों की पुस्तकें, बाल-साहित्य, समाचार-पत्र आदि।
2	लिखित कार्य	05	कक्षा-कार्य, गृहकार्य, दत्तकार्य, अभ्यास कार्य, (मुख्य रूप से स्वलेखन पर बल)
3	परियोजना कार्य	05	परियोजना संबंधी कार्य
4	पर्ची या लघु परीक्षा	05	बालकों की उत्तर पुस्तिकाएँ
	कुल अंक	20	

पुस्तक पठन - प्रतिक्रिया :-

इसके अंतर्गत बालकों को कहानी की पुस्तकों में से कहानी बाल-साहित्य या समाचार-पत्र के किसी अंश को पढ़ने के लिए कहना चाहिए। पढ़ने के पश्चात् बालक से पठित अंश पर लिखित प्रतिक्रिया (प्रतिवेदन के रूप में) करवानी चाहिए। कक्षा में इसका प्रस्तुतीकरण भी होना चाहिए। इसके लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

इसके आकलन के लिए अध्यापक को चाहिए कि वह निम्न बातों पर ध्यान दें-

- पठन अंशों का चयन (बालक द्वारा)
- लिखित अभिव्यक्ति
- प्रस्तुतीकरण का ढंग

2. लिखित कार्य :-

बालकों को पाठों के प्रश्न और अभ्यास लिखने के लिए देने चाहिए। उन्हें अपने शब्दों में (स्वरचना) लिखने के लिए कहना चाहिए। बालक को गाइड या क्वश्चन बैंक का सहारा लेने के लिए मना करना चाहिए। उन्हें स्वयं सोचकर लिखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसके लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

आकलन

- भावों की मौलिकता
- वाक्य निर्माण का क्रम
- शुद्ध वर्तनी

3. परियोजना कार्य :-

पाठ्यपुस्तक के हर पाठ के अंत में एक परियोजना कार्य दिया गया है। बालकों को परियोजना कार्य से संबंधित निर्देश देना चाहिए। किये गये परियोजना कार्य का प्रस्तुतीकरण प्रदर्शन कक्षा में करवाना चाहिए। इसके लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

आकलन

- विषय की समझ
- सामग्री का संकलन
- जानकारी का संग्रहण, प्रतिवेदन लिखना
- प्रस्तुतीकरण/प्रदर्शन

4. पर्ची या लघु परीक्षा

इस परीक्षा का आयोजन अनौपचारिक रूप से किया जा सकता है। इसमें बहुत बड़े-बड़े प्रश्नों के उत्तर लिखवाने के स्थान पर छोटे-छोटे प्रश्नों के उत्तर, शब्दार्थ, व्याकरणांश या पठित/अपठित गद्यांश/पद्यांश देकर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहा जा सकता है। इसके लिए 5 अंक निर्धारित है।

आकलन

- छात्रों द्वारा लिखे गये उत्तर
- वर्तनी की शुद्धता
- वाक्य निर्माण का क्रम

सूचना :- हर छात्र को 1) पुस्तक पठन - प्रतिक्रिया 2) लिखित कार्य के लिए 3) परियोजना कार्य के लिए एक पृथक पुस्तिका रखनी होगी 4) लघु परीक्षा के लिए एक उत्तर पुस्तिका रखनी होगी। 1,3,4, के लिए एक पुस्तिका व 2 के लिए एक उत्तर पुस्तिका रखी जानी चाहिए। इन उत्तर पुस्तिकाओं द्वारा जहाँ छात्रों के किये गये कार्यों को दर्शाया जा सकेगा वही समय-समय पर यह जाँच अधिकारियों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी।

- चार रचनात्मक आकलनों का औसत 20% के रूप में बोर्डपरीक्षा में लिया जायेगा। हर छात्र को रचनात्मक आकलनके 20% में कम से कम 7 अंक लाना अनिवार्य होगा।
- अध्यापकों को आंतरिक परीक्षाओं से संबंधित उत्तर पुस्तिकाओं को रिकार्ड के रूप में सुरक्षित रखना होगा।

आंतरिक आकलन का उदाहरण

FA–1

	नाम	पु.प	लिखित कार्य	परियोजना कार्य	लघु परीक्षा	कुल
		5	5	5	5	20
1.	राजू	3	2	3	2	10
2.	रवि	4	3	3	4	14

FA–2

	नाम	पु.प	लिखित कार्य	परियोजना कार्य	लघु परीक्षा	कुल
		5	5	5	5	20
1.	राजू	4	2	3	3	12
2.	रवि	3	3	4	3	13

FA–3

	नाम	पु.प	लिखित कार्य	परियोजना कार्य	लघु परीक्षा	कुल
		5	5	5	5	20
1.	राजू	3	4	4	2	13
2.	रवि	4	2	3	2	11

FA–2

	नाम	पु.प	लिखित कार्य	परियोजना कार्य	लघु परीक्षा	कुल
		5	5	5	5	20
1.	राजू	2	4	3	3	12
2.	रवि	3	4	3	2	12

राजू के चार FA के कुल अंक : 10+12+13+12 = 47

रवि के चार FA के कुल अंक : 14+13+11+12 = 50 हैं।

आंतरिक परीक्षा के 20 अंकों के लिए 4 रचनात्मक आकलनों के कुल अंकों को 4 परीक्षाओं के हिसाब से विभाजित करने पर इनके औसत अंक प्राप्त होंगे।

राजू के अंक होंगे -11.8 (12) और रवि के अंक होंगे -12.2 (12) अर्थात् राजू को 20 में से 12 और रवि को भी 20 में से 12 अंक प्राप्त हुए हैं।

सारांशात्मक मूल्यांकन (बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन)

A. दक्षताओं के आधार पर भारपात

हिंदी द्वितीय भाषा - कक्षा 9 वीं व 10 वीं

दक्षता	अंक विभाजन	पूर्णांक	
I	अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया	20 अंक	20
II	अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता		
	अ) स्वरचना	30 अंक	40
	आ) सृजनात्मकता	10 अंक	
III	सामान्य हिंदी व व्याकरण		
	अ) शब्द	10 अंक	20
	आ) वाक्य	10 अंक	
	कुल	80	80

4) दक्षताओं के आधार पर प्रश्नों के प्रकार, प्रश्नों की संख्या, प्रश्नों का स्वभाव व अंक

दक्षता	प्रश्न-प्रकार	दिये गये प्रश्नों की संख्या	लिखने वाले प्रश्नों की संख्या	दिये गये अंक	कुल अंक	दक्षता के लिए निर्धारित पूर्णांक	प्रश्नों का स्वभाव	प्रश्नों का चयन
I अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया	पढ़कर अर्थग्रहण करने की क्षमता की जाँच	4	4	5	4x5 = 20	20	1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 2. सत्य, असत्य की पहचान 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति - सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे।	पढ़कर अर्थग्रहण करने की क्षमता की जाँच के लिए प्रश्न पूछ जाने चाहिए। 1. परिचित/पठित गद्य इसे उपवाचक पाठों से लिया जाय। यहाँ उपवाचक के किसी पाठ का एक अनुच्छेद या पाँच, छः पंक्तियाँ हो। 2. अपिरिचित/अपठित गद्य इस गद्यांश को किसी कहानी, संवाद, नाटक, या निबंध से लिया जाय। इसकी भाषा, वाक्य सरल हो, जो 9 वीं या 10 वीं कक्षा के स्तरानुकूल हो, जिसमें सरल व सामान्य शब्दावली हो। यह गद्यांश प्रथम भाषा की पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी, पाँचवी व छठवीं कक्षा की पुस्तकों से भी ले सकते हैं।

दक्षता	प्रश्न-प्रकार	दिये गये प्रश्नों की संख्या	लिखने वाले प्रश्नों की संख्या	दिये गये अंक	कुल अंक	दक्षता के लिए निर्धारित पूर्णांक	प्रश्नों का स्वभाव	प्रश्नों का चयन
II अभिव्यक्ति सृजनात्मकता अ) स्वलेखन	लघु उत्तरीय प्रश्न (2,3 वाक्यों में उत्तर हो।)	4	4	3	4x3= 12	30		पद्य पाठों से दो प्रश्न गद्य पाठों से दो प्रश्नों का चयन करें। प्रश्न विषय से संबंधित हो लेकिन पुस्तक में से जैसे के वैसे वही प्रश्न न हो।
	पाँच-छः वाक्यों में उत्तरानुकूल प्रश्न	6	3	6	6x3= 18		● विश्लेषणात्मक ● विचार व्यक्तिकरण ● व्याख्या ● सारांश ● कारण विश्लेषण ● पाठ के प्रतिभागी के रूप में अपने विचार	पद्य, गद्य पाठों से संबंधित प्रश्न हो, पाठ व अभ्यासों में प्रश्नों को कुछ बदलकर दिया जा सकता है।/साहित्यकार का परिचय दिया जायेगा।
आ) सृजनात्मकता	भाषा व्यावहारिक रूप	3	2	5	2x5= 10	10	पत्रलेखन, निबंध लेखन अनिवार्य रूप से हो। एक प्रश्न पाठ्य पुस्तक में दिये गये सृजनात्मक प्रश्नों से संबंधित हो।	पाठ्यपुस्तक से संबंधित हो, लेकिन जैसे के वैसे प्रश्न न हो।

दक्षता	प्रश्न-प्रकार	दिये गये प्रश्नों की संख्या	लिखने वाले प्रश्नों की संख्या	दिये गये अंक	कुल अंक	दक्षता के लिए निर्धारित पूर्णांक	प्रश्नों का स्वभाव	प्रश्नों का चयन
III भाषा की बात अ) शब्द विश्लेषण	लक्ष्यात्मक प्रश्न	10	10	1	10x1= 10	10	शब्दार्थ/पर्याय/ उपसर्ग/प्रत्यय/संधि/ समास/लिंग/वचन/ विलोम/शब्द संक्षेप/ कारक	पाठ्यपुस्तक में से पाठों से और भाषा की बात से ये प्रश्न लिये जा सकते हैं।
आ) वाक्य विश्लेषण	लक्ष्यात्मक प्रश्न	10	10	1	10x1= 10	10	शुद्ध-अशुद्ध वाक्य, वाक्य क्रम, काल, वाच्य, मुहावरा, कहावत, सरल संयुक्त, मिश्र वाक्य, अर्थ की दृष्टि से वाक्य सकारात्मक नकारात्मक वाक्य विराम चिह्न	पाठ्यपुस्तक में से पाठों से और भाषा की बात से ये प्रश्न लिये जा सकते हैं।

5) प्रश्नों के प्रकार - उसका महत्व

सब यह जानते हैं कि रटंत उत्तरीय प्रश्न अब नहीं पूछे जायेंगे। नये प्रश्न पत्र में छात्रों की क्षमता व दक्षताओं के अनुरूप प्रश्न रहेंगे।

दक्षताओं के आधार पर प्रश्न :

1. पढ़कर अर्थग्रहण करने की जाँच करनेवाले प्रश्न
2. स्वरचना/अपने शब्दों में उत्तर लिखने वाले प्रश्न
3. सृजनात्मक अभिव्यक्ति वाले प्रश्न
4. भाषा व व्याकरण संबंधी प्रश्न

1. **पढ़कर अर्थग्रहण करने की जाँच करनेवाले प्रश्नः-**

इस में मुख्यतः गद्य व पद्य संबंधी प्रश्न होते हैं। गद्य में पठित व अपठित गद्यांश देकर प्रश्न पूछे जाते हैं। पद्य में भी पठित व अपठित पद्यांश देकर प्रश्न पूछे जाते हैं। पद्य में केवल आधुनिक पद्य से ही प्रश्न पूछे जाय। पद्य हो या गद्य पाँच-छः पंक्तियों तक देकर प्रश्न पूछे जाय।

महत्व :- इस प्रकार के प्रश्नों के अभ्यास के लिए छात्र कई गद्यांशों व पद्यांशों का पठन करते हैं। उसका अर्थ, भाव समझने के लिए शब्दकोश का सहारा भी लेते हैं। ऐसे अभ्यास से छात्रों में पढ़कर अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास होता है। छात्र स्वयं पुस्तकालय में विविध समाचार पत्रों पत्र-पत्रिकाओं और साहित्यिक पुस्तकों का पठन कर विषय समझ सकते हैं।

2. **रचना/अपने शब्दों में उत्तर लिखने वाले प्रश्नः-**

ऐसे प्रश्नों के उत्तर में छात्र स्वयं सोचकर अपने विचार व्यक्त करता है। अपनी भावाभिव्यक्ति लिखित रूप में व्यक्त करने की पूर्ण स्वतंत्रता छात्र को मिलती है, जिससे छात्र में लिखित रूप में स्वाभिव्यक्ति करने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इसमें मुख्यतः दो प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं।

(i) (लघु उत्तरीय प्रश्न) दो-तीन वाक्यों में उत्तर दिये जा सकते हैं।

(ii) (पाँच-छः वाक्यों में उत्तर दिये जा सकते हैं।) निबंधात्मक प्रश्न

(i) **लघु उत्तरीय प्रश्न :-**

इन प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दिये जा सकते हैं। ये प्रश्न छात्रों को सोच-विचार कर उत्तर देने के लिए प्रेरित करते हैं।

महत्व :- छात्रों में संक्षेप में उत्तर देने की योग्यता का विकास होता है।

(ii) **निबंधात्मक प्रश्न :-**

इन प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखे जाते हैं। ये प्रश्न भी छात्रों को सोच विचार कर उत्तर देने के लिए प्रेरित करते हैं।

महत्व :- वर्णन, व्याख्या की क्षमताओं का विकास होता है।

(iii) **सृजनात्मक अभिव्यक्ति के प्रश्न :-**

कहानी आगे बढ़ाना, कविता आगे बढ़ाना, विधा रूपांतर करना, नारे, सूक्तियाँ, वचन, कहानी, कविता, पत्र, निबंध आदि का सृजन करना, इसके अंतर्गत हैं।

महत्व :- ऐसे प्रश्न छात्रों की सृजनात्मकता का विकास कर उन्हें भावी जीवन में भाषा के आधार पर आगे बढ़ने के भरपूर अवसर देते हैं।

3. **भाषा की बात :-**

इसमें व्याकरण व भाषा परीक्षण संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं ये दो भागों में पूछे जाते हैं।

(i) शब्द संबंधी व्याकरणांश प्रश्न

(ii) वाक्य व भाषा संबंधी प्रश्न

(i) **शब्द संबंधी प्रश्न :-** छात्रों में भाषागत विकास के लिए शब्द भंडार का विकास होना आवश्यक है। इसलिए शब्दार्थ, पर्याय, लिंग, वचन, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, शब्द संक्षेप, युग्म शब्द, शब्दभेद आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

महत्व :- शब्द भंडार का ज्ञान भाषा पर अधिकार प्रदान करता है और यह समय व संदर्भ के अनुकूल भाषा का प्रयोग करने में सहायक होता है।

(ii) **वाक्य संबंधी व्याकरणांश प्रश्न :-**

इसमें वाक्य रचना, अर्थ की दृष्टि से वाक्य, सकारात्मक व नकारात्मक वाक्य, काल, वाच्य, मुहावरे, कहावतें शुद्ध-अशुद्ध वाक्य, वाक्य क्रम व सामान्य भाषा प्रयोग, व्यावहारिक भाषा संबंधी प्रश्न होते हैं।

महत्व :- वाक्य निर्माण व उसके रूपों की जानकारी से छात्र भाषा की विविध शैलियों व विधाओं का ज्ञान प्राप्त करते हैं और सुंदर ढंग से व्यावहारिक भाषा का प्रयोग कर सकते हैं।

सारांशात्मक मूल्यांकन - I

नमूना प्रश्न - पत्र

विषय : हिंदी **अंक : 80**

कक्षा : नवीं **समय : 3 घंटे**

I. अ) नीचे दिये गये गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5x1=5

बच्चे ओस की बूँदों की तरह शुद्ध और पवित्र होते हैं। वे कल के नागरिक हैं। आजकल प्रायः घर-घर में 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स' तैयार करने की कोशिश की जा रही है। आठ वर्षीय ईशान अवस्थी (दर्शाल सफ़ारी) का मन पढ़ाई के बजाय कुत्तों, मछलियों और पेंटिंग में लगता है।

1. बच्चे किस की तरह होते हैं?

   1. ओस की बूँद 2. शुद्ध 3. पवित्र 4. नागरिक

2. बच्चे कल के क्या है?

   1. नागरिक 2. खिलाडी 3. ओसकी बूँद 4. नेता

3. आजकल घर में किसे तैयार करने की कोशिश की जा रही है।

   1. टॉपर्स और रैंकर्स 2. नेता 3. नागरिक 4. ओस की बूँदें

4. ईशान का मन किसमें लगता था?

   1. कुत्ते 2. मछलियाँ 3. पेंटिंग 4. ये सभी

5. ''नागरिक'' शब्द का अर्थ बताइए।

   1. नगर में रहने वाला 2. नगर में स्थायी रूप से रहनेवाला

   3. देश में स्थायी रूप से रहनेवाला 4. ये सभी

आ) नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5x1=5

साहित्य, कला, नृत्य, गीत आमोद-प्रमोद अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं। आत्मा का जो विश्वव्यापी आनंद भाव है वह इन विविध रूपों में साकार होता है।

1. यहाँ मानसिक भाव प्रकट करने वाले कौन है?

   1. राष्ट्रीय जन 2. साहित्यकार 3. कलाकार 4. गीतकार

2. राष्ट्रीय जन अपने मानसिक भावों को किन-किन रूपों में प्रकट करते हैं?

   1. साहित्य 2. कला 3. नृत्य 4. ये सभी

3. किस का विश्वव्यापी भाव है?

1. आत्मा का 2. जनता का 3. राष्ट्र का 4. कला का

4. आत्म <u>का</u> विश्वव्यापी भाव विविध रूपों में प्रकट होता है। रेखांकित शब्द है?

1. संबंध काराक 2. कर्ता कारक 3. कर्म कारक 4. इनमें से कुछ नहीं

5. ''साकार'' शब्द का विलोम लिखिए।

1. आकार 2. निराकार 3. विकार 4. ये सभी

इ) नीचे दिये गये पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5x1=5

मैंने हँसना सीखा है, मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल पल पर मेरे जीवन में सोना।
मैं अब तक जान न पाई कैसी होती है पीडा?
हँस हँस जीवन में कैसे करती हैं चिंता क्रीडा?

1. मैने ..... सीखा है।

अ) हँसना आ) रोना इ) खोना ई) होना

2. कवयित्री के जीवन में क्या बरसता है .....

अ) सोना आ) चाँदी इ) हीरा ई) ये सभी

3. ''हँसना'' शब्द का विलोम।

अ) खेलना आ) दौडना इ) रोना ई) यह सभी

4. कवयित्री क्या नहीं जान पाई?

अ) मोड़ा आ) घोडा इ) सोडा ई) पीडा

5. हँस हँस कर जीवन में ..... करती है।

अ) चिंता क्रीडा आ) मधुक्रीडा
इ) सुधा क्रीडा ई) यह सभी

ई) नीचे दिये गये पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5x1=5

नित्य वेद पाठ, नित्य जप करें
नित्य-गंगा धार में तिरे तरे
प्रेम जो न तो मनुज अशुद्ध है,
प्रेम तो सदैव ही समृद्ध है।

1. ''नित्य'' का अर्थ बताइए।

अ) हमेशा आ) हर दिन इ) नित्य दिन ई) इनमें से कुछ भी नहीं

2. मानव नित्य क्या करता है?

अ) पुण्य आ) पाप इ) धाप ई) यह सभी

3. समृद्धता कैसे प्राप्त होगी?

अ) समृद्ध व्यवहार आ) नित्य व्यवहार

इ) व्यवहार पूर्ण ई) प्रेम पूर्ण व्यवहार

4. ''अशुद्ध'' शब्द का विलोम लिखिए।

अ) शुद्ध आ) शुद्धता इ) शुद्धपूर्ण ई) यह सभी

5. ''सदैव'' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

अ) सद + इव आ) सदा + एव

इ) सदइ + व ई) सत् + एव

II. अभिव्यक्ति सृजनात्मकता 4 x 3 = 12

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 2 **या** 3 **पंक्तियों में लिखिए।**

1. जीवन में हँसने का क्या महत्व है?
2. कवि के अनुसार तरंगें हमें क्या संदेश देती है?
3. वस्तु की प्रामाणिकता से आप क्या समझते हैं?
4. अंतरिक्ष का अर्थ बताते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नाम बताइए।

आ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 5 **या** 6 **पंक्तियों में लिखिए।** 3 x 6 = 18

1. हमारे जीवन में अतिथि का क्या महत्व है? अपने विचार बताइए।

या

हमें कैसे प्रयत्नों से सफलता मिल सकती है?

2. युधिष्ठिर की जगह तुम होते तो किसे जीवित करवाना चाहते और क्यों?

या

सुनीता विलियम्स भावी नागरिकों को क्या संदेश देती है।

3. सोहन लाल द्विवेदी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

या

कबीरदास जी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

इ) ग्रामीण जीवन के सौंदर्य के बारे में अपने विचार लिखिए?

या

सीखने से संबंधित कोई एक कविता लिखिए।

ई) तीन दिन की छुट्टी माँगते हुए अपने प्रधान-अध्यापक के नाम पत्र लिखिए।

या

अपने मित्र को पोंगल की छुट्टियों में आने का आमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।

III. व्याकरणांश

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से पहचानिए। 20 x 1 = 20

1. हमारे भारत में <u>हिंसा</u> प्रवृत्ति बढ़ रही है। (विलोम शब्द)

   अ) दुहिंसा आ) सहिंसा इ) अहिंसा ई) यह सभी

2. नानी हमें रोज़ नई <u>कहानी</u> सुनाती है। (वचन बदलकर)

   अ) कहानियाँ आ) कहाने इ) कहीने ई) कहानियी

3. 'अभि' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाइए?

   अ) अनु आ) मान ई) नाम ई) यह सभी

4. मानव जीवन <u>सुख-दुख</u> का संगम है।

   अ) सुख व दुख आ) सुख-सुख

   इ) सुख और दुख ई) दुख - दुख

5. 'आसमान' शब्द का अर्थ लिखिए।

   अ) गगन आ) विहंग इ) खग ई) पवन

6. दार्शनिक शब्द का प्रत्यय चुनिए।

   अ) एक आ) इक इ) दार्श ई) यह सभी

7. 'वयोवृद्ध' संधि-विच्छेद कीजिए।

   अ) वय + अवृद्ध आ) व + योवृद्ध

   इ) वयव + ऋद्ध ई) वयः + वृद्ध

8. 'चोली दामन का साथ' मुहावरे का अर्थ क्या है?

   अ) घनिष्ठ संबंध होना आ) रक्षित स्थल होना

   इ) दामन का साथ ई) प्रकाशित होना

9. <u>बादल</u> बरसते है (रेखांकित शब्द का पद-परिचय दीजिए।)

   अ) सर्वनाम आ) संज्ञा इ) क्रिया ई) विशेषण

10. निम्न विकल्पों में अकर्मक क्रियाएँ पहचानिए।

    अ) सोना, पढ़ना आ) पीना, हँसना

    इ) खाना, लिखना ई) उठना, चलना

11. बूढ़ा (भाववाचक संज्ञा में बदलिए)

अ) बूढ़ाना आ) बुढ़ापा इ) बूढावा ई) यह सभी

12. हमारे पूर्वजो ने हमें स्वच्छ ..... स्वस्थ ग्रह दिए।

(सम्मुच्य बोधकों से रिक्त स्थान भरिए।)

अ) बल्कि आ) के इ) और ई) पास

13. यहाँ अनेक धर्मों व जातियों ..... लोग रहते हैं।

(उचित कारक चिह्नों से भरिए।)

अ) के आ) को इ) कै ई) का

14. सुनीता विलियम्स देश का नाम ऊँचा ..... हैं।

अ) करतो आ) करती इ) करते ई) यह सभी

15. ..... मुझे अच्छे अंक मिले।

(रिक्त स्थान की पूर्ति उचित अव्ययों से कीजिए।)

अ) वाह! आ) ओह! इ) अरे! ई) इनमें से कुछ भी नहीं

16. फुटबाल अच्छा खेल है। (इसे प्रश्नवाचक में बदलिए।)

अ) फुटबाल अच्छा खेल है क्या?

आ) क्या फुटबाल अच्छा है?

इ) फुटबाल कैसा खेल है?

ई) इनमें से कुछ भी नहीं

17. हम लोग अपना मिशन चुपचाप पूरा करना चाहते थे। (काल पहचानिए।)

अ) भूतकाल आ) वर्तमान काल

इ) भविष्य काल ई) ये सभी

18. हम सब मेले में जायेंगे। (नकारात्मक रूप में बदलिए।)

अ) हम सब मेले में जायेंगे नहीं।

आ) हम सब मेले में नहीं जायेंगें।

इ) नही हम सब मेले में जायेंगे।

ई) यह सभी

19. ''जो उपासना करने वाला'' शब्द समूह लिखिए।

अ) उपासना करनेवाला आ) भक्त

इ) उपासक ई) यह सभी

20. अपनी गलती पर अफसोस ..... कीजिए।

अ) मत आ) मात इ) तम ई) नहीं

सारांशात्मक मूल्यांकन - I
नमूना उत्तर पुस्तिका

विषय : हिंदी **अंक : 80**

कक्षा : नवीं **समय : 3 घंटे**

I. **अ)** 1. ओस की बूँद
2. नागरिक
3. 'टॉपर्स' और 'रैंकर्स'
4. कुत्तों, मछलियों और पैंटिंग
5. देश में स्थायी रूप से रहने वाला

आ) 1. राष्ट्रीय जन
2. ये सभी
3. आत्मा
4. संबंध कारक
5. ''निराकार''

इ) 1. अ) हँसना
2. आ) सोना
3. इ) रोना
4. ई) पीडा
5. अ) चिंता क्रीडा

ई) 1. अ) हमेशा
2. अ) पुण्य
3. ई) प्रेम पूर्ण व्यवहार
4. अ) शुद्ध
5. आ) सदा + एव

II. अभिव्यक्ति सृजनात्मकता

अ)

1. मानव जीवन में सुख-दुख दोनों रहते हैं। मानव सुखमय जीवन ही बिताना चाहता है। हँसते रहने वाले का दिल स्वच्छ और शांत रहता है। हँसते बोलनेवाले के सभी मित्र बनते हैं। सबसे हँसते प्रेमपूर्वक बरताव करने से मानव सुखी बन सकता है। चाहे कितना भी कष्ट का सामना करना पडे दिल को तसल्ली पहुँचाने हँसते रहना और हँसते बोलना है। इससे मानसिक शांति मिलती है।
2. समुद्र के चंचल तरंग उठ-उठकर गिरती है वे कहना चाहती है कि तुम भी उनके जैसे अपने दिल में मीठी और कोमल आशाएँ भर लो। क्योंकि आशा को सफल बनाने के प्रयत्न जरूर करते हो। हर काम करने का उत्साह उमड़ता रहता है।
3. लोगों को विनियम के लिए वस्तुएँ बनायी व तैयार की जाती है। ऐसी वस्तुएँ कुछ प्रामाणिक तथ्यों और सिद्धांतों के आधार पर ही बनायी जाती है। एक जागरूक उपभोक्ता होने के नाते किसी चीज़ को खरीदते है तब हम उस चीज़ की प्रामाणिकता सिद्ध करनेवाले विषयों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। उस वस्तु के बनाने ''इस्तेमाल किए गए पदार्थ उनकी माप-तोल उसके लाभ उपयोग वजन आदि से वस्तु की प्रामाणिकता का परिचय मिलता है। सरकार ने आई.एस.आई., एगमार्क आदि चिह्नवाले चीज़े ही खरीदने की सलाह देती है। सरकार जाँच-पडताल के बाद ही प्रामाणिक चिह्न अंकित करने की अनुमति देती है।
4. पृथ्वी और सूर्य आदि लोकों के बीच के स्थान को अंतरिक्ष के बारे में जानने की कोशिश में रहा है। इसी आशय की सिद्धि के लिए समय-समय पर अंतरिक्ष यान भेजे गये है। उन यानों में अंतरिक्ष यात्री (एस्ट्रोनाट्स) जाते है। उनमें बज एलड्रिन, नील आर्मस्ट्रांग, राकेशशर्मा, यूरी गागरिन, कल्पना चावला, सुनिता विलियम्स आदि प्रमुख है।

आ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 5 या 6 पंक्तियों में लिखिए।

1. मेहमान का अर्थ है अतिथि। अतिथि देवो भव, अतिथि हमारे लिए भगवान की प्रतिमूर्ति के समान है। अतिथि का सत्कार भारतीय संप्रदाय का जन्मसिद्ध गुण है। ऐसे अतिथि की भलाई या अतिथि को खुश रखने अपनी हानि की परवाह भी नहीं करते है। अतिथि सत्कार को ही परम धर्म मानकर जी जान से उसकी सेवा में जुड या निमग्न हो जाते हैं।

   या

   मानव जीवन में कोई भी काम असंभव नहीं है। मन लगाकर प्रयत्न करने से हर काम संभव होता है। मन में श्रद्धा रखकर काम की सफलता पर विश्वास रखते, भगवान पर भरोसा रखकर, संदेह या संशय छोड़कर एकाग्र चित्त होकर काम करते रहने से ज़रूर सफलता मिल सकती है। इस तरह हमें श्रद्धा, विश्वास, कडी मेहनत, शक्ति से युक्त प्रयत्नों से सफलता ज़रूर मिल सकती है।
2. युधिष्ठिर महान चरित्रवान और शील संपन्न व्यक्ति था। धर्मपरायण होने के कारण उसने यक्ष के कहने पर नकुल को जीवित करवाना चाहा। अगर उसकी जगह मैं होता तो पराक्रमी साहसी, धनुर्विद्या प्रवीण अर्जुन को जीवित करवाना चाहता। क्योंकि

अर्जुन महान गुणों वाला और तेज संपन्न था। अनेक देवों की कृपा से 92 और अस्त्र-शस्त्र प्राप्त किया हुआ महान व्यक्ति था। अपने पराक्रम से किसी भी तरह वह तीनों भाइयों को जीवित कर सकता है।

या

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर कदम रखने वाली पहली भारतीय महिला सुनीता विलियम्स हैं। वह अपने महान प्रयत्नों के फलस्वरूप सफल अंतरिक्षयात्री बन सकी। श्रद्धा और लगन से उसने यह ख्याति प्राप्त की। भावी नागरिकों को यह संदेश देती है - सौभाग्य से मेरा जन्म भारत में हुआ है। मैं एक साधारण पढ़ी-लिखी नारी हूँ। सभी सुशिक्षित हो कर आगे बढ़ें और देश का नाम उज्जवल व उन्नत करें।

3. श्री सोहनलाल द्विवेदी जी का जीवनकाल 1962-1988 है। उनकी अमूल्य रचनाएँ हिंदी साहित्य में प्रसिद्ध हुई है। उनकी प्रमुख रचना 'सेवाग्राम' है। भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से विभूषित किया।

या

कबीरदास जी हिंदी साहित्य के निर्गुण धारा के ज्ञानमार्गीय शाखा के प्रमुख कवि थे। इनका जन्म 1398 को हुआ और उनकी मृत्यु 1528 में हुई। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे। स्वामी रामानंद इनके गुरु थे। कबीर की रचनाएँ 'बीजक' नामक ग्रंथ में संकलित है।

इ) ग्रामीण जीवन के सौंदर्य

रूपरेखा :- प्रस्तावना, ग्रामीण सौंदर्य, ग्रामीण जीवन, उपसंहार

प्रस्तावना :- कहा जाता है कि गाँव को ईश्वर ने बनाया है और नगर को मनुष्य ने बनाया है। 'ग्राम' का तद्भव रूप 'गाँव' है। ग्राम का अर्थ होता है। 'समूह' याने कुछ घर-बार, नर नगरी और पशु-पक्षियों का समूह। गाँव भारत की रीढ़ है।

ग्रामीण सौंदर्य : गाँव प्रकृति की गोद है। गाँव में साँप की चाल जैसी टेढ़ी-मेढ़ी गलियाँ, कच्चे पक्के, पर साफ भले किसान सीधी-सादी औरतें, बच्चे पालतू पशु-मुर्गी आदि दृश्य मनमोहक होते हैं। गाँव का जीवन सरल व सात्विक होता है।

उपसंहार : गांधीजी के अनुसार ''गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते हैं। भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों की उन्नति से ही भारत की उन्नति हो सकती है''। अतः ग्राम का पुनरुद्धार कर ग्रामीण जीवन को स्वर्गतुल्य बनाना हमारा प्रथम कर्त्तव्य है।

या

फूलों से नित हँसना सीखो
भौरों से नित गाना
तरू की झुकी डालियों से
नील सीखो शीश झुकाना

ई) तीन दिन की छुट्टी पत्र :-

दिनांक : 14
हैदराबाद।

सेवा में,

प्रधानाध्यापक जी,
दसवीं कक्षा,
नालंदा हाईस्कूल,
हैदराबाद।

महोदय,

मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मेरे बड़े भाई की शादी अगले सोमवार विजयवाड़ा में होने वाली है। मुझे वहाँ जाना है और माँ बाप की सहायता करनी है। इसलिए शादी में सम्मिलित होने के कारण मैं विद्यालय आने में असमर्थ हूँ इसलिए मुझे20.05.2014 से 23.05.2014 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें। आशा करता हूँ कि छुट्टी अवश्य मंजूर करेंगे।

सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र
x x x x

पता :-
प्रधानाध्यापक जी,
नालंदा हाईस्कूल
हैदराबाद

(या)

मित्र को पत्र

दिनांक : 14
हैदराबाद।

प्रिय मित्र,

मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल हो। अगले हफ्ते से हमारी पोंगल की छुट्टियाँ शुरू हो जायेंगी। मैं इस पत्र के द्वारा मुख्य रूप से तुम्हें आमंत्रित कर रहा हूँ। हमारे यहाँ पोंगल का उत्सव बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। यहाँ विशेष मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। यही नहीं हमारे देखने लायक अनेक स्थान है। इसलिए तुम ज़रूर आना।

तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम। तुम्हारे आने की प्रतीक्षा करता हूँ।

आपका आज्ञाकारी छात्र
x x x x

पता :-
ए रामाराव, दसवीं कक्षा
नालंदा हाईस्कूल, हैदराबाद। हैदराबाद

III. व्याकरणांश

अ)

1. इ) अहिंसा
2. अ) कहानियाँ
3. आ) मान
4. इ) सुख और दुख
5. अ) गगन
6. आ) इक
7. ई) वयः + वृद्ध
8. अ) घनिष्ठ संबंध होना
9. आ) संज्ञा
10. ई) उठना, चलना
11. आ) बूढ़ापा
12. इ) और
13. अ) के
14. आ) करती
15. अ) वाह!
16. इ) फुटबाल कैसा खेल है?
17. अ) भूतकाल
18. आ) हम सब मेले में नहीं जायेंगे।
19. इ) उपासक
20. अ) मत

सारांशात्मक मूल्यांकन - I

नमूना प्रश्न - पत्र

विषय : हिंदी द्वितीय भाषा **अंक : 80**

कक्षा : दसवीं **समय : 3 घंटे**

I. अ) नीचे दिये गये गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5 x 1 = 5**

कई साल पहले की बात है। एक राज्य था। जिसका नाम हरितनगर था। हरितनगर का राजा कुमार वर्मा था। वह अच्छा शासक था। कुमार वर्मा के शासन काल में राज्य हरा-भरा रहता था। लेकिन एक समय ऐसा आया, राज्य में सारी फसलें सूख गयी। तालाब, गड्ढ़े सूख गये। केवल दो ही जीव नदियाँ बची थी। जो छोटी-छोटी नहरें बनकर रह गयीं।

1. हरितनगर राज्य के राजा कौन थे?

   1. कुमार शर्मा 2. कुमार वर्मा 3. कुमार गिरि 4. इनमें से कोई नहीं

2. हरित नगर राज्य कैसा था?

   1. हरा-भरा 2. सूखा 3. पीले-हरे 4. हरा-नीला

3. राज्य में क्या सूख गया?

   1. तालाब 2. फसलें 3. गड्ढे 4. ये सभी

4. कितनी जीव नदियाँ बची हुई थी?

   1. चार 2. एक 3. तीन 4. दो

5. इस गद्यांश में आए पुनरूक्ति शब्द पहचानिए।

   1. छोटी-छोटी 2. हरा-भरा 3. तालाब गड्ढे 4. जीव-नदी

आ) नीचे दिये गये गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

कन्नौज का राजा हर्षवर्धन कट्टर बौद्ध था। उनका महायान संप्रदाय अनेक रूपों में हिंदूवाद से मिलता - जुलता था। उन्होंने बौद्ध और हिंदू दोनों धर्मों को बढ़ावा दिया। हर्षवर्धन कवि और नाटककार थे। कन्नौज की राजधानी उज्जैन को सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रसिद्ध केंद्र बनाया था। इनकी मृत्यु 648 ई.में. हुई थी।

1. कन्नौज के राजा कौन थे?

   1. हर्ष वर्धन 2. बोद्ध 3. पृथ्वीराज 4. श्री हर्ष

2. महायान संप्रदाय किससे मिलता-जुलता था?

   1. जैन 2. सिक्ख 3. हिंदवाद 4. इस्लाम

3. हर्षवर्धन ने किन धर्मों को बढ़ावा दिया?

1. सिक्ख 2. बौद्ध और हिंदू 3. इस्लाम 4. जैन

4. सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रसिद्ध केंद्र कौनसा था?

1. कटक 2. उज्जैन 3. कन्नौज 4. हस्तिनापुर

5. हर्षवर्धन की मृत्यु कब हुई?

1. 646 2. 618 3. 648 4. 658

इ) नीचे दिये गये पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर चुनकर कोष्ठक में लिखिए।

कदम-कदम बढाए जा, सफलता तू पायेजा,
ये भाग्य है तुम्हारा, तू कर्म से बनायेजा
निगाहें रखो लक्ष्य पर, कठिन नहीं ये सफर,
ये जन्म है तुम्हारा तू सार्थक बनाये जा

1. कवि के अनुसार बिना रुके आगे बढ़ते जाने से क्या प्राप्त हो सकती है?

अ) सफलता आ) विमुखता इ) इठलता ई) विफलता

2. भाग्य किससे बनाया जा सकता है?

अ) कर्म आ) काम इ) पाप ई) पुण्य

3. हमारी पूरी दृष्टि ..... पर केंद्रित होती है।

अ) मोक्ष्य आ) लक्ष्य इ) केंद्रित ई) इनमें से कुछ भी नहीं

4. 'कठिन' शब्द का विलोम लिखिए।

अ) कठिन आ) सरल इ) काठिन्य ई) ये सभी

5. ये जन्म है तुम्हारा तू ..... बनाये जा

अ) सार्थक आ) निरर्थक इ) साक्षर ई) निरक्षर

ई) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर सही उत्तर दीजिए।

हम दीवानों की क्या हस्ती, है आज यहाँ, कल यहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला, हम धूल उडाते जहाँ चले

1. हस्ती शब्द का अर्थ क्या है?

अ) अस्तित्व आ) हस्तीत्व इ) ईस्तित्व ई) इनमेंसे कुछ भी नहीं

2. ..... का आलाम साथ चला।

अ) मेहनत आ) मस्ती इ) महान ई) महानता

3. 'मस्ती' शब्द का अर्थ क्या है?

अ) आनंद आ) उल्लास इ) उन्माद ई) प्रेम

4. हम ..... उडाते जहाँ चले।

अ) धूल आ) धूम इ) धूप ई) धीर

5. 'आज' का विलोम शब्द लिखिए।

अ) काम आ) कल इ) कर ई) काज

II. अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता 4 x 3 = 12

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर 2 **या** 3 **पंक्तियों में लिखिए।**

1. रैदास व मीरा की भक्ति भावना में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।
2. प्रकृति की कौन-कौन सी चीज़ मन को छू लेती हैं?
3. जूही का कौनसा कथन तुम्हें अच्छा लगा?क्यों?
4. ''हामिद के अंदर प्रकाश है, बाहर आशा की किरण' ऐसा लेखक ने क्यों कहा होगा?

आ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर 5 **या** 6 **पंक्तियों में लिखिए।** 3 x 6 = 18

1. कवि ने मज़दूरों के अधिकारों का वर्णन कैसे किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

   या

   हमारे जीवन में भक्ति भावना का क्या महत्व है? चर्चा कीजिए।
2. वीरांगना लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्‌भुत मिसाल थी - स्पष्ट कीजिए।

   या

   गोदावरी नदी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
3. सुमित्रानंदन पंत का साहित्यिक परिचय दीजिए।

   या

   ''विष्णु प्रभाकर'' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

इ) नीचे दिए गए प्रश्नों में से एक का उत्तर दीजिए। 1 x 5 = 5

1. आज दुनिया के सभी देशों में जल की समस्या बनी हुई है। इसके समाधान में हम सब की क्या जिम्मेदारी है?
2. भक्ति भावना से संबंधित छोटी सी कविता का सृजन कीजिए।

ई) नीचे दिए गए प्रश्नों में से एक का उत्तर दीजिए। 1 x 5 = 5

1. किसी रोचक घटना का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।
2. आवश्यक पुस्तकों के लिए किसी पुस्तक विक्रेता के नाम पर पत्र लिखिए।

III. व्याकरणांश

अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से पहचानिए। 20 x 1 = 20

1. 'प्रगति' इसमें उपसर्ग पहचानिए।

   अ) प्र आ) प्रग इ) गति ई) ती

2. ''प्रसन्नता'' शब्द का पर्याय लिखिए।

   अ) संतोष, हर्ष आ) मोद, मोहक

   इ) संतोष, संपर्क ई) हर्ष, पय

3. ''आंखो का तारा'' मुहावरे का अर्थ?

   अ) अतिरिक्त आ) अत्यंत

   इ) अतिप्रिय ई) अन्य

4. ''घृणा'' शब्द का विलोम लिखिए।

   अ) प्रेम आ) द्वेस इ) शांत ई) अमर

5. ''सर्वोत्तम'' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए।

   अ) सर्वो + तम आ) सव + उत्तम

   इ) सर्व + उत्तम ई) स्व + उत्तम

6. 'मानवता'' इसमें प्रत्यय पहचानिए।

   अ) वता आ) मा इ) नवता ई) ता

7. राजू धीरे-धीरे चलने लगा। रेखांकित शब्द का शब्द भेद पहचानिए।

   अ) क्रिया आ) विशेषण

   इ) क्रिया विशेषण ई) सर्वनाम

8. हमारे यहाँ जल होता ..... हम पृथ्वी पर न आते।

   अ) तो आ) तुम इ) न ई) नही

9. यह तो कोई यान है। (भूत काल में बदलकर लिखिए।)

   अ) यह तो कोई यान होगा। आ) यह तो कोई यान था।

   इ) यह तो कोई यान हुआ होगा। ई) इनमें कुछ भी नहीं।

10. देश को एकता .....सूत्र में बांधने के लिए भाषा की आवश्यकता हुई

    अ) के आ) मं इ) से ई) पर

11. ''बैर'' शब्द का अर्थ क्या है?

    अ) मित्र आ) मित्रता

    इ) शत्रु ई) शत्रुता

12. दिये गये विकल्पों में स्त्री लिंग पहचानिए।

अ) भाषा आ) नज़र इ) मेहनत ई) ये सभी

13. राजू पुस्तक ..... है।

अ) पढ़ेगा आ) पढ़ता इ) पढ़ायेगा ई) पढ़वायेगा

14. मीत, रीत, मित्र, दोस्त बेमेल शब्द पहचानिए।

अ) मीत आ) रीत इ) मित्र ई) दोस्त

15. लोकगीत, लोकतंत्र (इस तरह के 'लोक' शब्द बने दो शब्द लिखिए।)

अ) लोकगीत, लोकेंद्र आ) लोककथा, लोकनृत्य

इ) लोकतंत्र, लोकगीत ई) इनमें से कुछ भी नहीं

16. यह हमारे लिए गर्व की बात है कि सारा विश्व हिंदी का महत्व जान चुका है। वाक्य पहचानिए।

अ) सरल वाक्य आ) संयुक्त वाक्य

इ) मिश्र वाक्य ई) प्रश्नार्थक वाक्य

17. अध्यापक के द्वारा कविता पढ़ाई ..... है।

अ) होता आ) जा रही होगी

इ) होती ई) जाती

18. ''सौ वर्षों का समय'' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द का उपयोग कर सकते हैं? वह क्या है

अ) दशाब्दी आ) शताब्दी

इ) शतक ई) यह सभी

19. ..... स्त्रियाँ ढ़ोलक की मदद से गाती है? (रिक्त स्थान में सही शब्द से प्रश्नवाचक में बदलिए।)

अ) क्या आ) कौन इ) कैसा ई) किस

20. ''भारतवासी'' समास विग्रह कीजिए।

अ) भारत को वासी आ) भारत और वासी

इ) भारतवासी ई) भारत के वासी

सारांशात्मक मूल्यांकन - I
नमूना उत्तर पुस्तिका

विषय : हिंदी द्वितीय भाषा **अंक : 80**

कक्षा : दसवीं **समय : 3 घंटे**

I. **अ)**
1. राजा कुमार वर्मा
2. हरा-भरा
3. ये सभी
4. दो
5. छोटी-छोटी

आ)
1. हर्षवर्धन
2. हिंदूवाद
3. बौद्ध और हिंदू
4. उज्जैन
5. 648 ई.

इ)
1. अ) सफलता
2. अ) कर्म
3. आ) लक्ष्य
4. आ) सरल
5. अ) सार्थक

ई)
1. अ) अस्तित्व
2. आ) मस्ती
3. अ) आनंद
4. अ) धूल
5. आ) कल

II. **अभिव्यक्ति सृजनात्मकता**

अ) 1. रैदास की भक्ति भावना निर्गुण है। इनका भगवान निराकार निर्गुण ब्रह्म हैं। इन्होंने भगवान की तुलना अनेक रूपों में की जबकि मीराबाई की भक्ति भावना सगुण हैं। इनकी माधुर्य की भक्ति है। इनके भगवान श्रीकृष्ण हैं। इन्होंने राम का कृष्ण का अभेद बताया।

2. सावन के बरसनेवाले बादल, बारीश की बूँदे, चकाचौंध करने वाली बिजली, रिमझिम बरसनेवाली बूँदे बहती जल-धाराएँ आदि चीजें मन को छू लेती हैं।
3. ''हाँ, मैं उनको अपना स्वामी मानती हूँ। और मानती रहूँगी। लेकिन उनसे भी अधिक मैं महारानी को अपना स्वामी मानती हूँ और महारानी से भी बढ़कर मैं अपने देश को अपना स्वामी मानती हूँ देश के लिए मैं सरदार को भी ठुकरा सकती हूँ, ठुकरा चुकी हूँ। जूही का कथन मुझे इसलिए अच्छा लगा क्योंकि वह देश की रक्षा के लिए अपने प्रिय व्यक्ति को भी छोड़ना चाहती है इसलिए देश की रक्षा में अपने स्वामी सरदार को भी ठुकराना चाहती है।
4. हामिद को उम्मीद है कि उसके अब्बाजान रूपये कमाकर लाएँगे। अम्मीजी बहुत सी अच्छी चीजें लाएँगी। उसके दिल में पूरा विश्वास है, यही प्रकाश पुँज है। उसके भीतर से विश्वास रूपी प्रकाश-पुँज से बाहर आशा रूपी किरण फूट पड़ती है।

आ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर 5 या 6 पंक्तियों में लिखिए।

1. कवि कवितांश में भीष्म पितामह के माध्यम से कुरूक्षेत्र युद्ध से विचलित धर्मराज को समुचित उपदेश देते हैं। कहते है - हे धर्मराज! कुछ लोग पाप से कुछ लोग भाग्यवाद की आड़ में अनुचित तरीके से धनार्जन करते हैं। प्राकृतिक संपदा सबकी है, न कि मुट्ठी भर लोगों की। मानव समाज का भाग्य परिश्रम भुजबल ही है। श्रमिक को सभी नर और सुर गौरव देते हैं। वही प्राकृतिक संपदा का सर्व प्रथम अधिकारी है। भाग्यवादी शोषक श्रमशक्ति का महत्व, संपत्ति पर श्रम जीवी का समान अधिकार सहज संपदा पर समान अधिकार आदि भी भीष्म के मुँह से कहलाते हैं।

या

हमारे जीवन में भक्ति का बड़ा महत्व है। तुलसीदास के अनुसार संतों की संगति, भगवान की कथा में अनुराग, गुरूसेवा, भगवान का गुणगान, निष्काम कर्म, विश्व को ईश्वरमय समझना, दूसरों के अपगुणों पर दृष्टिपात नहीं करना और निष्कपट रहना सद्गुण देती है। वह संकल्प की दृढता देती है। वह शांति और आनंद देती है।

2. भारत के राज्यों के राजा विलासित में डूबे जाते हैं, लेकिन वीरांगना लक्ष्मीबाई स्वराज्य प्राप्ति के लिए जूझती है। वे कहते है - देशभक्तों की आवश्यकता है। नूपूरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दो। हमें स्वराज्य लेना है। हमें रणभूमि में मौत से जूझना है। सीधी युद्ध भूमि में जाते समय अंत में कहती है कि स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव के पत्थर बनेंगे। वे सचमुच देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की अद्भुत मिसाल थी।

या

मैंने कई नदियों के दर्शन किए। गोदावरी नदी के दर्शनार्थ उसका जन्मस्थान नासिक त्रयंबक से निकल पड़ा। इसके दौरान रेल से, बस से, पैदल यात्रा करनी पड़ी। नासिक

चंबक में गोदावरी का नवजात शिशुरूप है। कालेश्वरम पहुँची तो उसका बाला रूप है। भद्राचलम में उसका कुमारी रूप है। राजमहेंद्री में नवयुवती रूप है। उसका विराट रूप उसकी छटा का वर्णन कैसे कर सकते है। मैं एकटक देखता ही रहा। उसकी चाल अजगर की तरह और कहीं - कहीं कोडे सांप सी होती है। गोदावरी हमें उपदेश देती है। चैखति-चैखति चलते-रहना चलते रहना। चलते समय गिर जाय तो भी अच्छी तरह चलना सीख लेते हैं - और आगे विकसित होते हैं।

3. प्रकृति के बेजोड़ कवि माने जाने बाले सुमित्रानंदन पंत का जन्म सन् 1900 अल्मोड़ा में हुआ। साहित्य लेखन के लिए इन्हें 'साहित्य अकादमी' 'सोवियत रूस और ज्ञानपीठ पुरस्कार' दिया गया इनकी प्रमुख रचनाएँ है - वीणा, ग्रंथि, पल्लव गुंजन, युगांत, ग्राम्या, स्वर्ण किरण, कला और बूढ़ा चाँद तथा चिदंबरा आदि। इनका निधन सन् 1977 में हुआ।

या

विष्णु प्रभाकर का जन्म सन् 1912 में हुआ। वे आदर्श प्रिय व्यक्ति थे। इन्हें प्रेमचंद परंपरा का आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक कहा जाता है। 'आवारा मसीहा' नामक रचना पर इन्हें 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार ने इन्हें 'पदम-भूषण से सम्मानित किया है।

इ) 1. हमें पानी को बरबाद नहीं करना चाहिए। हमें जितना ज़रूरी है उतने का ही उपयोग करना चाहिए। जलाशयों में नहाना, पशुओं को धोना, कपडे धोना, कूड़ा करकट फेंकना आदि को मना करना है। कल कारखानों के कचरे का या रासयनिक पानी से प्रदूषित नहीं करना चाहिए। जल में विष मिलानेवाले असामाजिक तत्वों के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए।

2. भक्ति भावना संबंधित कविताः

ऐ मालिक तेरे बंदे हम ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चले और बदी से टले ताके हंसते हुए निकले दम।

ई) नीचे दिये गये प्रश्नों में से एक का उत्तर दीजिए।

1.

दिनांक .....

हैदराबाद।

प्रिय मित्र,

मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल हो। मैं एक रोचक घटना के बारे में लिख रहा हूँ। मैं एक छोटे बच्चे को नाले में से निकालकर उनके माँ-बाप को सौंप दिया। इस तरह मैंने एक छोटे बच्चे की जान बचायी। वह एक कागज़ की नाव निकालने नाले से प्रयास कर रहा था। तब अचानक वह उसमें गिर पड़ा। तब मैं उधर से जा रहा था। तुरंत उसे मैंने उठाकर बाहर लाया। तुम भी अपनी कोई रोचक घटना के बारे में लिखो।

माताजी एवं पिताजी को मेरा प्रणाम।

तुम्हारा प्रिय मित्र

xxxx

पता

xxxx

द न . 6-117

निवास,

हैदराबाद -59

2.

दिनांक .....

हैदराबाद।

प्रेषक

xxxx

दसवीं कक्षा,

सी.वी. निकेतन विद्यालय,

हैदराबाद।

सेवा में,

व्यवस्थापक जी

पुस्तक विक्रेता विभाग,

विद्या बुक डिपो,

हैदराबाद।

महोदय,

मुझे कुछ पुस्तकों की आवश्यकता है। इसलिए निम्नलिखित पुस्तकें ऊपर दिए गए पते पर वी.पी.पी. के जरिए भेजने की कृपा कीजिए। अग्रिम तौर पर पांच सौ रूपए भेज रहा हूँ। बाकी पैसे वी.पी.पी. के आते ही भेंज दूँगा।

1. सरल हिंदी व्याकरण, भाग - 1-5 प्रतियाँ
2. हिंदी तेलुगु कोष - 5 प्रतियाँ
3. हिंदी निबंध रचना भाग-1 - 3 प्रतियाँ
   भाग-2

आपका विश्वसनीय

xxxx

दसवीं कक्षा, क्रम संख्याः

पता

श्री व्यवस्थापक जी,

पुस्तक विक्रय विभाग

विद्या बुक डिपो

हैदराबाद

III. व्याकरणांश

अ) 1. अ) प्र

2. अ) संतोष, हष

3. इ) अतिप्रिय

4. अ) प्रेम

5. इ) सर्व + उत्तम

6. ई) ता

7. इ) जगत् + नाथ

8. अ) तो

9. आ) यह तो कोई यान था।

10. अ) के

11. ई) शत्रुता

12. इ) असफलता

13. आ) पढ़ता

14. आ) रीत
15. आ) लोककथा, लोकनृत्य
16. 'अ) वान
17. ई) जाती
18. आ) शताब्दी
19. अ) क्या
20. ई) भारत के वासी

अंक प्रदान करने के - सूचक

दसवीं कक्षा की नवीन पुस्तकों के आधार पर नमूना प्रश्न पत्र तैयार किया गया है। इसमें किस प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं? किस दक्षता के लिए कितने अंक निर्धारित किए गए हैं? उत्तरों का किन सूचकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए? इसकी अध्यापक को स्पष्ट जानकारी होनी आवश्यक है। प्रश्न -पत्र के आधार पर उसका अवलोकन करें।

I. **अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया (20 अंक)**

(अ) पठित गद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)

गद्यांश उपवाचक से ही लिया जायेगा।

(आ) अपठित गद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)

यह किसी भी साहित्यिक या सामाजिक अंश से लिया जाएगा।

(इ) पठित पद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)

यह पाठ्य पुस्तक से लिया जायेगा।

(ई) अपठित पद्यांश देकर पाँच प्रश्न पूछना। 5 (अंक)

यह किसी भी साहित्यिक अंश से लिया जाएगा।

II. **अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता (40 अंक)**

(क) स्वरचना - (30 अंक)

(अ) लघु प्रश्न - 12 (अंक) (4x3 = 12)

इसके अंतर्गत चार प्रश्न दिए जायेंगे। पाठ्य पुस्तक में दिए गए प्रश्नों को जैसे का तैसा न देकर उसी स्वभाव वाले अन्य प्रश्न दिए जाएँगे। एक-एक प्रश्न के लिए तीन अंक निर्धारित है।

- लघु प्रश्नों के उत्तर को अंक प्रदान करने के तरीके :-

- विषय वस्तु की समझ, वाक्य निर्माण का क्रम	- 2 अंक
- वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
	3 अंक

(आ) निबंधात्मक प्रश्न - 18 (अंक)

इसके अंतर्गत 6 प्रश्न दिए जाएँगे। दो प्रश्न गद्य भाग से दो प्रश्न पद्य भाग से तथा दो प्रश्न साहित्यकारों से संबंधित दिए जाएँगे। इसमें से तीन प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए छह अंक निर्धारित हैं।

- निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर को अंक प्रदान करने के तरीके :-

- विषय वस्तु की समझ	- 2 अंक
- वाक्य निर्माण क्रम	- 2 अंक
- उचित शब्द का उपयोग	- 1 अंक
- शुद्ध वर्तनी	- 1 अंक
	6 अंक

(ख) सृजनात्मकता - (10 अंक)

पाठ्य पुस्तक में सृजनात्मक अभिव्यक्ति के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों को न देकर उसी प्रकार के अन्य प्रश्न दिए जाएँगे। इसके अंतर्गत तीन प्रश्न दिए जाएँगे। एक प्रश्न पत्र एक निबंध तथा तीसरा अन्य विधा से संबंधित होगा। दो प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित है।

- सृजनात्मक प्रश्नों के उत्तर को अंक प्रदान करने के तरीके :-

1. वार्तालाप / संभाषण

- पात्रानुसार संवाद	- 3 अंक
- वाक्य निर्माण क्रम	- 1 अंक
- वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
	4 अंक

2. लेखन (पत्र लेखन के नियम)

- स्थान, दिनांक, संबोधक, पता, हस्ताक्षर	- 2 अंक
- विषय की अनुकूलता	- 2 अंक
- वाक्य निर्माण, वर्तनी की शुद्धता	- 1 अंक
	5 अंक